फलित ज्योतिष में प्रमाण-पत्र

(Certificate in Phalit –Jyotish)

Paper –CIJ-01

फलित ज्योतिष का सैद्धान्तिक ज्ञान

Section-A

(Very short answer type questions)

अति लघु उत्तरात्मक प्रश्न (अनिवार्य)

Note: Answer all questions. As per the nature of the question delimit your answer in one word, one sentence or maximum up to 30 words. Each question carries 2 marks.

10X2= 20

नोट : सभी प्रश्नों का उत्तर दीजिये। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 50 शब्दों में परिसीमित किजिये। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (I.) त्रिक भाव कौनसे होते हैं?

(II.) बुध किन राशियों का स्वामी है?

(III.) गुरु की दृष्टि किन भावों पर होती है?

(IV.) नैसर्गिक रूप से शुभ ग्रह कौनसे होते है?

(V.) द्विस्वभाव राशियां कौनसी होती हैं?

(VI.) शनि की उच्च राशि कौनसी है?

(VII.) गुरु के विंशोत्तरी महादशावर्ष कितने होते है?

(VIII.) कौनसा ग्रह सन्तान का कारक होता है?

(IX.) किस भाव को सुख स्थान कहा जाता है?

(X.) किन भावों की पणफर संज्ञा होती है?

Section –B

(Short answer questions)

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Note: Answer any 4 questions. Each answer should not exceed 100 words. Each question carries 10marks.

नोट : किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 100 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

4X10=40

2. सिंह राशि का स्वरूप व स्वभाव लिखिये
3. मंगल ग्रह का संक्षिप्त परिचय दे व उसके कारकत्व लिखिये
4. पञ्चाङ्ग के पांच अंग कौनसे हैं? तिथि का संक्षिप्त वर्णन करें
5. उदाहरण सहित कोई दो बालारिष्ट भङ्गयोग लिखिये
6. ग्रहों की मूल त्रिकोण राशियां लिखिये
7. पञ्चम भाव से किन विषयों का विचार किया जाता हैं?
8. दो नाभस योगों का उदाहरण सहित वर्णन करें
9. योगकाराक ग्रहों का निर्धारण किस प्रकार से होता हैं? उदाहरण सहित समझाये

Section –C

(Long answer questions)

दीर्घ उत्तर वाले प्रश्न

Note: Answer any two questions. You have to delimit your each answer maximum 800 words. Each question carries 20 marks.

नोट : किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 800 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

2X20=40

10. आयु निर्णय पर निबंध लिखिये
11. शकुन ज्योतिष के विविध विषयों का विस्तार से वर्णन करें
12. नवग्रहों का विस्तारपूर्वक वर्णन करें
13. बारह राशियों के स्वरूप व स्वभाव का विस्तार से वर्णन किजिये